दिलीप चिंचालकर

पकड़ में आती हैं आकृतियाँ खूब स्कैचिंग करने से

अभ्यास से यानी किसी चीज़ को बार-बार करने से उसमें निखार आता जाता है। जैसे अभिनव बिन्द्रा का सौ में से सौ निशाने सही साधना, नसीरुद्दीन शाह का बिना हकलाए मंच पर अभिनय करना या हुसैन का बगैर मिटाए एक ही बार में आकृति बनाना। बड़े स्कूलों और फाइन आर्ट कॉलेजों में छात्रों को हर महीने-पन्द्रह दिनों में सौ पन्नों की एक भरी हुई स्कैच बुक अपने शिक्षक के पास जमा करनी पड़ती है। उसे भरने के लिए छात्र हर खाली समय में स्कैचिंग करते रहते हैं। चाय के प्याले पर बैठकर हाथ मलती मक्खी से लेकर मेले-ठेले तक की। इसमें साइकिल, कुत्ता, बकरी, देहाती-शहरी सब आ जाते हैं। जिसने अपने शुरुआती दिनों में यह मशक्कत कर ली उसे बाद में किसी भी तरह की आकृतियाँ बनाने में दिक्कत नहीं होती।

स्कैचिंग से एक तो बिना हाथ काँपे गोल-सीधी, आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचना आ जाता है। और दूसरे, वस्तुओं से हमारी जान-पहचान बढ़ती है। ठीक वैसे ही जैसे किसी दोस्त के साथ लम्बा समय गुज़ारने के बाद उसके स्वभाव की अच्छी जानकारी हो जाती है। तुम बता सकते हो कि वह किस परिस्थिति में कैसी हरकत करेगा। किसी वस्तु को चारों ओर से कई बार देखने और बनाने से हम अच्छी तरह समझ सकते हैं कि दूसरी वस्तुएँ आगे-पीछे, दाएँ-बाएँ और ऊपर-नीचे से कैसी दिखती होंगी। याद करके हम उनके वैसे ही चित्र बना भी सकते हैं।

एक कुर्सी को सामने से देखने पर उसके अगले पैर और पीठ टिकाने का फट्टा या गद्दा दिखाई देता है। सोचो, कुर्सी को पीछे से देखने पर क्या दिखाई देगा? पीछे के पैर और गद्दे का पिछला हिस्सा। बाजू से देखने पर सबका थोड़ा-थोड़ा हिस्सा। कुछ-कुछ ऐसा ही बैठी हुई गाय के साथ भी होगा। सामने से उसकी थूथन, आँखें, कान, सींग, पैर और शरीर दिखाई देंगे तो पीछे से कान, सींग, शरीर, पीठ का उभार और दुम दिखाई देंगे और पैरों का इशारा भर होगा। यही बात मनुष्य के चित्रों में भी होगी।

कक्षा में रोज़ साथ बैठने वाले सहपाठियों को तुम चेहरे से तो जानते ही हो। वे पीछे से और बाजू से कैसे दिखते हैं यह

— लवकुश, पाँचवीं, कानपुर, उ. प्र.

भी रोज़ ही देखते हो। नहीं याद आता है तो अब देखो। कान या सिर, खास तौर पर गर्दन और पिछले हिस्से के बाल कैसे दिखाई देते हैं? आँखें बाजू से कैसी नज़र आती हैं? स्कैच बनाने से ये बातें तुम्हारे ज़ेहन में पक्की बैठ जाएँगी। फिर नाश्ते की टेबल के चारों ओर बैठे दोस्तों का चित्र बनाने में परेशानी नहीं होगी। हाँ, अगर तुम्हें बनाना है कि पैरों के पास बैठे टॉमी को घास में पसरे हुए बंटू भैया कैसे दिखाई देते होंगे तो अपनी कल्पना के घोड़े को तेज़ दौड़ाना पड़ेगा।

अब एक स्कैचबुक ले लो। हर रोज़ उसमें सामने दिखाई देने वाली चीज़ों के दो-दो, चार-चार मिनट के स्कैच बनाओ। जब इसका अच्छा अभ्यास हो जाए तो फिर किसी वस्तु को सामने से देखकर उसके पीछे का हिस्सा बनाने की कोशिश करो। चकमक

अट्टा बट्टा खट्टा
बिल्ली का झपट्टा
बिल्ली के दाँत टूटे
सारे चूहे छूटे